







Saroj



1003

ॐ
भूर्भुवस्सुवः
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोदयात्



Saraj





Saroj

Saroj

स्वर्ण कला





1002



Saroj





Sarof



1004



1001



1002



1003



1004